- Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
- You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
- This time is to be spent in reading the Question Paper.
- The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.
- This paper comprises of two Sections – Section A and Section B.
- Attempt all questions from Section A.
- Attempt any four questions from Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.
- The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A [40 Marks]

(Attempt all questions from this Section)

Question 1.

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए

(i) 'विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है।' कथन के आधार पर बताइए कि मानव के जीवन में मित्रों का क्या महत्व है ? वे किस प्रकार व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं ? आप अपने मित्र का चुनाव करते समय उसमें किन गुणों का होना आवश्यक समझेंगे? अपने विचार स्पष्टतः लिखिए।

(ii) भारतीय संस्कृति में 'अतिथि को देवता के समान माना जाता है। वर्तमान परिस्थितियों में यह मान्यता कहाँ तक सत्य के रूप में दिखाई दे रही है ? अतिथि कब बोझ बन जाता है और किस प्रकार ? विचारों द्वारा समझाइए।

(iii) 'ऊँचे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए माता-पिता तथा अध्यापकों द्वारा बच्चों पर डाला जाने वाला दबाव अनुचित है' विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रकट कीजिए।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो –

"जान बची तो लाखों पाये।"

(v)नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कहानी अथवा लेख लिखिए, जिसका सीधा सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Question 2.

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of topics given below :

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए [7]

(i) छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को फैशन की ओर अधिक रुझान न रख, ध्यानपूर्वक पढ़ाई करने की सीख देते हुए पत्र लिखिए।
(ii) आप किसी पत्रिका के नियमित ग्राहक बनना चाहते हैं। पत्रिका के प्रकाशक से पत्र लिखकर पूछिए कि पत्रिका का वार्षिक मूल्य क्या है और आपको वह पत्रिका क्यों पसन्द है ?

Question 3.

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासम्भव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए

काशीनरेश ने कोसल पर आक्रमण कर दिया था। कोसल के राजा की चारों ओर फैली कीर्ति उन्हें असह्य हो गयी थी। युद्ध में उनकी विजय हुई। पराजित नरेश वन में भाग गये थे; किन्तु प्रजा उनके वियोग में व्याकुल थी और विजयी को अपना सहयोग नहीं दे रही थी। विजय के गर्व से मत्त काशीनरेश प्रजा के असहयोग से क्रुद्ध हुए। शत्रु को सर्वथा समाप्त करने के लिए उन्होंने घोषणा करा दी-"जो कोसलराज को ढूँढ़ लायेगा, उसे सौ स्वर्ण-मुद्राएँ पुरस्कार में मिलेंगी।"

इस घोषणा का कोई प्रभाव नहीं हुआ। धन के लोभ में धार्मिक राजा को शत्रु के हाथ में देने वाला अधम वहाँ कोई नहीं था।

कोसलराज वन में भटकते घूमने लगे। जटाएँ बढ़ गयीं। शरीर कृश हो गया। वे एक वनवासी के समान दीखने लगे। एक दिन उन्हें देखकर एक पथिक ने पूछा-'यह वन कितना बड़ा है ? वन से निकलने तथा कोसल पहुँचने का मार्ग कौन-सा है ?' .

नरेश चौंके ! उन्होंने पूछा-'आप कोसल क्यों जा रहे हैं ?'

पथिक ने कहा – 'विपत्ति में पड़ा व्यापारी हूँ। माल से लदी नौका नदी में डूब चुकी है। अब द्वार-द्वार कहाँ भिक्षा माँगता भटकता डोलूँ। सुना है कि कोसल के राजा बहुत उदार हैं, अतः उनके पास जा रहा हूँ।'

'तुम दूर से आये हो, वन का मार्ग बीहड़ है। चलो, तुम्हें वहाँ तक पहुँचा आऊँ।' कुछ देर सोचकर राजा ने पथिक से कहा।

पथिक के साथ वे काशीनरेश की सभा में आये। अब उन जटाधारी को कोई पहचानता न था। काशीनरेश ने पूछा-'आप दोनों कैसे पधारे ?' तब उस महात्मा ने कहा- 'मैं कोसल का राजा हूँ मुझे पकड़े के लिए तुमने पुरस्कार घोषित किया है। अब पुरस्कार की वे सौ स्वर्ण-मुद्राएँ इस पथिक को दे दो।'.

सभा में सन्नाटा छा गया। सब बातें सुनकर काशीनरेश अपने सिंहासन से उठे और बोले-'महाराज ! आप जैसे धर्मात्मा, परोपकार-निष्ठ को पराजित करने की अपेक्षा उसका चरणाश्रित होने का गौरव कहीं अधिक है। यह सिंहासन अब आपका है। मुझे अपना अनुचर स्वीकार करने की कृपा कीजिए।'

व्यापारी को मुँहमाँगा धन प्राप्त हुआ। कोसल और काशी उस दिन से मित्र राज्य बन गये।

मानव जीवन की सार्थकता परहित के लिए बलिदान करने की भावना में निहित है। मनुष्य के चरित्र की परीक्षा उसके परोपकारी कामों के आधार पर होती है, न कि व्यक्तिगत वैभवअर्जन पर। जो मनुष्य सबके दुःख दूर करने में जितना प्रयत्नशील होता है, वह उतना ही सभ्य, सुसंस्कृत एवं उच्च विचारों वाला माना जाता है; क्योंकि परोपकार का विशद भाव ही मानव की अन्तरात्मा की महानता की कसौटी है।

(i) कोसल पर आक्रमण किसने और क्यों किया ? [2]
(ii) काशीनरेश ने क्या घोषणा, क्यों करायी थी? [2]
(iii) पथिक ने कोसलराज से क्या कहा था ? उसके कथन को सुनकर कोसलराज ने क्या निर्णय लिया ? [2]
(iv) कोसलराज को सभा में कोई क्यों न पहचान पाया था ? सभा में सन्नाटा क्यों छा गया था ? [2]
(v) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली ? [2]

Question 4.

Answer the following questions according to the instructions given :
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए
(i) निम्न शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
नीति, साहित्य
(ii) निम्न शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
मार्ग, माता।
(iii) निम्न शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए: [1]
अंत, पवित्र, निराशा, भविष्य।
(iv) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए
चेहरा उतरना, गले का हार। [1]
(v) भाववाचक संज्ञा बनाइए
उड़ना, देव। [1]
vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :
(a) घर जाने में एकमात्र चार दिन शेष हैं। [1]
(वाक्य शुद्ध कीजिए)
(b) एक नवयुवक को यह बन्धन पसन्द नहीं आया। [1]
('पसन्द' के स्थान पर 'अच्छा' शब्द का प्रयोग कीजिए)
(c) विद्यार्थियों ने एक निबन्ध लिखा। [1]
(वाक्य को वर्तमानकाल में बदलिए)

SECTION – B (40 Marks)

Attempt four questions from this Section. You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions.

साहित्य सागर – संक्षिप्त कहानियाँ
(Sahitya Sagar – Short Stories)

Question 5.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :
आनंदी की त्यौरी चढ़ गई। झुंझलाहट के मारे बदन में ज्वाला-सी दहक उठी। बोली, "जिसने तुमसे यह आग लगाई है, उसे पाऊँ तो मुँह झुलस दूं।"
['बड़े घर की बेटी' – प्रेमचंद]
[Bade Ghar Ki Beti – Premchand]
(i) आनंदी की त्यौरी क्यों चढ़ी हुई थी ? वह किसका इंतजार कर रही थी ? [2]
(ii) श्रीकंठ सिंह ने आनंदी से क्या जानना चाहा ? [2]
(iii) इससे पहले लालबिहारी और बेनीमाधव सिंह श्रीकंठ सिंह से क्या कह चुके थे ? [3]
(iv) आनंदी से घटना का हाल जानकर श्रीकंठ सिंह को कैसा लगा? उन्होंने अपने पिता से क्या कहा? [3]

Question 6.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :विदेशों में उसके चित्रों की धूम मच गयी। भिखारिन और दो अनाथ बच्चों के उस चित्र की प्रशंसा में तो

अखबारों के कॉलम के कॉलम भर गए। शोहरत से ऊँचे कगार पर बैठ चित्रा जैसे अपना सब कुछ भूल गयी।
['दो कलाकार' – मन्नु भंडारी]
['Do Kalakar'-Mannu Bhandari]
(i) 'उसके चित्रों' से क्या तात्पर्य है ? समझाइए। [2]
(ii) चित्रा कौन थी ? उसके चरित्र की मुख्य विशेषता को बताइए। [2]
(iii) अरूणा कौन थी जब उसे भिखारिन वाली घटना का पता चला तो उसपर क्या प्रभाव पड़ा और उसने क्या किया ? [3]
(iv) चित्रकारिता और समाज सेवा में आप किसे उपयोगी मानते हैं और क्यों ? कहानी के माध्यम से समझाइए। [3]
साहित्य सागर – पद्य भाग
(Sahitya Sagar – Poems)

Question 8.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि।।

[साखी – कबीर दास]
[Sakhi – Kabir Das]

(क) 'जब मैं था तब हरि नहीं'- दोहे में 'मैं' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है? 'जब मैं था तब हरि नहीं '-पंक्ति का आशय स्पष्ट करें।

2 Marks'

ii. 2Marks

उपर्युक्त साखी द्वारा कबीर क्या संदेश देना चाहते हैं?

(iii) ईश्वर का वास कहाँ नहीं होता है ? कवि हमें क्या त्यागने की प्रेरणा दे रहें हैं ? कवि का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताइए। [3]
(iv) 'साँकरी' शब्द का क्या अर्थ है ? प्रेम गली से कवि का क्या तात्पर्य है ? उसमें कौन दो एक साथ नहीं रह सकते हैं समझाइए।[3]

Question 9.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :[2+2+3+3]

चाट रहे जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए, और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए। ठहरो, अहो मेरे हृदय में है अमृत, मैं सींच दूंगा। अभिमन्यु-जैसे हो सकोगे तुम, तुम्हारे दुख मैं अपने हृदय में खींच लूँगा।

(क) भिक्षुक तथा उसके बच्चे क्या करने के लिए विवश हैं और क्यों ?

(ख) 'और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए'-पंक्ति द्वारा कवि क्या स्पष्ट करना चाहता है?

(ग) भिक्षुक कविता में कवि ने समाज को किस बात के लिए फटकारा है?

(घ) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि ने अभिमन्यु' शब्द का प्रयोग किस लिए किया है ?

Question 10.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

[3+2+2+3]

जसोदा हरि पालने झुलावै।
हलरावै, दुलराइ मल्हावै, जोइ-सोइ कछु गावै।।
मेरे लाल को आउ निंदरिया, काहे न आनि सुवावै।
तू काहे नहिं बेगहिं आवै, तोको कान्ह बुलावै
कबहुँ पलक हरि गुदि लेत हैं, कबहुँ अधर फरकावै।
सोवत जानि मौन है कै रहि, करि-करि मैन बतावै।।
इहिं अंतर अकुलाइ उठे हरि, जसुमति मधुरै गावै।
जो सुख 'सूर' अमर मुनि दुरलभ, सो नंद भामिनी पावै।।

(क) यशोदा बालकृष्ण को सुलाने के लिए क्या-क्या करती है?

(ख) बालकृष्ण पालने में झूलते समय क्या-क्या चेष्टाएँ कर रहे हैं ?

(ग) सुख 'सूर' अमर मुनि दुरलभ, सो नंद भामिनी पावै'- कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?

(घ) यशोदा द्वारा कृष्ण को पालने में झुलाने का दृश्य अपने शब्दों में लिखिए।

sur-ke-pad-sahitya.sagar poems

नया रास्ता – (सुषमा अग्रवाल)
(Naya Rasata – Sushma Agarwal)

Question 11.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :
"माँ को लगा, शायद अमित सरिता के रिश्ते को तैयार नहीं है। इसलिए वह बोली", "बेटे, व्यवहार का तो किसी का भी पता नहीं है। न सरिता के बारे में ही कुछ कहा जा सकता है और न ही मीनू के बारे में व्यवहार का तो साथ रहने पर ही पता चलता है।"
(i) माँ को कैसे पता चलता है कि अमित सरिता के रिश्ते के लिए तैयार नहीं हैं ? [2]
(ii) अमित के पिता मायाराम जी सरिता के रिश्ते को क्यों नहीं स्वीकार करना चाहते हैं ? [2]
(iii) अमित और सरिता का रिश्ता तय होने के लिए माँ किसको और क्यों उकसाती है ? माँ की ऐसी धारणा से उनके स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है ? समझाकर लिखिये। [3]
(iv) शादी के विषय में समाज की क्या परम्परा है ? आप इससे कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिये। [3]

Question 12.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :मीनू के हृदय में बचपन से ही अपंगों के लिए दया की भावना थी परंतु मनोहर को तो वैसे भी वह बचपन से जानती थी। इसीलिए उसकी यह हालत उससे देखी नहीं जा रही थी। मीनू ने मन ही मन निश्चय दिया कि वह किसी न किसी रूप में मनोहर की सहायता अवश्य करेगी। विवाह के फालतू खर्च में से कुछ रुपये बचाकर अपाहिज मनोहर की सहायता करने का उसने संकल्प लिया।

(i) मनोहर कौन था ? वह मीनू के पास क्यों आया था ?[2]

(ii) उसकी यह दशा कैसे हो गयी थी ? संक्षेप में समझाइए।[2]

(iii) मीनू ने मन ही मन क्या निश्चय किया और मनोहर की सहायता कैसे की ?[3]

(iv) मीनू के इस कार्य से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ? क्या आपने भी कभी किसी की इस प्रकार से सहायता की है समझाइए।[3]

Question 13.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :"दूसरे ही क्षण मीनू उसके सामने आ गई और खुशी से उसके हाथ चूम लिये। अरे मीनू, आज तो बहुत प्रसन्न दिखाई दे रही हो। क्या बात है ? नीलिमा ने पूछा"

(i) मीनू कौन है ? उसकी प्रसन्नता का कारण क्या है ? [2]

(ii) 'उसके' सर्वनाम का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(iii) मीनू के चेहरे पर किस बात को सोचकर उदासी छा जाती है ? मीनू की उदासी कब और किस प्रकार दूर होती है ? समझाकर लिखिए। [3]

(iv) प्रस्तुत उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। [3]

एकांकी संचय

(Ekanki Sanchay)

Question 14.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

> ताकत की बात छोड़ो, अभय सिंह ! प्रत्येक राजपूत को अपनी ताकत पर नाज़ है। इतने बड़े दंभ को मेवाड़ अपने प्राणों में आश्रय न दे, इसी में उसका कल्याण है। रह गई बात एक माला में गूंथने की, सो वह माला तो बनी है। हाँ, उस माला को तोड़ने का श्रीगणेश हो गया है।

[मातृभूमि का मान – हरिकृष्ण 'प्रेमी']

[Matri Bhoomi Ka Man – Hari Krishna 'Premi']

[2+2+2+4]

(क) उपर्युक्त कथन किसने तथा किस संदर्भ में कहा है ?

(ख) अभयसिंह का परिचय दीजिए। वह क्या संदेश लेकर आए हैं ?

(ग) वक्ता ने अभयसिंह से किस प्रकार के अनुशासन को मानने की बात कही ?

(घ) 'वह माला तो बनी हुई है। हाँ, उस माला को तोड़ने का श्रीगणेश हो गया है।' आशय स्पष्ट कीजिए। 4 -

Question 15.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :"दहेज़ देना तो दूर, बारात की खातिर भी ठीक से नहीं की गई। मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान में जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी को विदा कराना चाहती है तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजे।"

[बहू की विदा – विनोद रस्तोगी]

[Bahu Ki Vida – Vinod Rastogi]

(i) प्रस्तुत कथन किसने, किससे कहा ? सन्दर्भ सहित उत्तर लिखिए। [2]

(ii) 'मरहम' का क्या अर्थ है ? यहाँ मरहम से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए। [2]

(iii) वक्ता के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। [3]

(iv) प्रस्तुत एकांकी में किस समस्या को उठाया गया है ? उस समस्या को दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं ? अपने विचार दीजिए। [3]

Question 16.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

"आज कुसमय नाच-रंग की बात सुनकर मेरे मन में शंका हुई थी। इसलिये मैंने कुँवर को वहाँ जाने से रोक दिया था। संभव था कि कुँवर वहाँ जाते और बनवीर अपने सहायकों से कोई काण्ड रच देता।"

[दीपदान – डॉ. रामकुमार वर्मा]

[Deepdan – Dr. Ram Kumar Verma]

(i) उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(ii) नाच-रंग का आयोजन किसने और किस उद्देश्य से किया था ? [2]

(iii) बनवीर कौन है ? उसका परिचय देते हुए उसका चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

(iv) 'दीपदान' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता बताइए तथा एकांकी के माध्यम से एकांकीकार ने क्या शिक्षा दी है ? [3]